छत्तीसगढ़ का पहला डिजिटिल प्लेनेटेरियम

चर्चा में क्यों?

सूत्रों के अनुसार, भारत सरकार के सहयोग से **छत्तीसगढ़ का पहला** डिजिटिल तारामंडल/प्लेनेटेरियम उग्रवाद प्रभावित **दंतेवाड़ा ज़िले** में स्थापित किया जा रहा है।

मुख्य बिंदु:

- यह पहल **दंतेवाड़ा ज़िला प्रशासन** द्वारा संस्कृति मंत्रालय और राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद (NCSM) की सहायता से की गई है।
- **संस्कृति मंत्रालय की विज्ञान एवं संस्कृति संवर्द्धन योजना, 2021** के अंतर्गत दंतेवाड़ा के कारली में डिजिटिल तारामंडल स्थापित करने की योजना जल्द ही शुरू होगी
- ज़िला प्रशासन ने प्लेनेटेरियम के लिये सहयोग का अनुरोध किया और **श्रेणी III (5 लाख से कम जनसंख्या) के अंतर्गत पूर्ण वित्तीय सहायता के प्रस्ताव को स्वीकृति दे दी गई है।**
- इस पहल में **शैक्षिक उन्नति, वैज्ञानिक चेतना, सांस्कृतिक और सामाजिक प्रगति के साथ-साथ आकर्षक दृश्य-श्रव्य प्रयोग** जैसे विभिन्न तत्त्व शामिल हैं
- प्लेनेटेरियम के निर्माण के लिये **7.95 करोड़ रुपए का बजट स्वीकृत किया गया है।**
- घने जंगलों के बीच बसा यह डिजिटिल प्लेनेटेरियम एक **प्रमुख** पर्यटन **पहल** होगी
- यह स्थानीय बच्चों के भविष्य को आकार देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और **भावी पीढ़ियों को अंतरिक्ष विज्ञान में कॅरियर बनाने के लिये प्रेरित करेगा।**

राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद (National Council of Science Museums- NCSM)

- **वर्ष 1978 में राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद (NCSM) की स्थापना** राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालयों के लिये एक **केंद्रीय समन्वय एजेंसी के रूप में की गई थी**
- यह **विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग ((DST)** के साथ संयुक्त रूप से संस्कृति मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी संस्थान है
- NCSM **विज्ञान केंद्रों** और संग्रहालयों **का विश्व का सबसे बड़ा नेटवर्क है** जो एक ही प्रशासनिक छत्र के तहत कार्य करता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/chhattisgarh-s-first-digital-planetarium